


तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम  
अहम  
हुक्म  
में

२१/११/२२

परावली पैरा हुक्म अधिवक्ता वाही  
 अनुपत्ति / अधिवक्ता प्रतिवाही से उताड  
 उपत्ति / गत पैरा पर वकील वाही की  
 संशयक शक्ति उगवान उस्तु करने हेतु  
 अनिमक अवस्था दिना गना या आवक  
 मरुत वार - २ आवक लागने पर ही  
 वाजि नही है स्वयं वाही भी अनुपत्ति  
 वे रना जीत घेता है कि वकील वाही की  
 प्रकृत चलाने में कोई रुकी शक नही रह  
 गनी है लिखना वाड वाही, वकील वाही  
 की अफत हमरी - अफत पैची में खाकि  
 कृपा जाता है परावली फेजले में शुभर  
 होकर हाखिल फताह है

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 रायसिंहनगर

